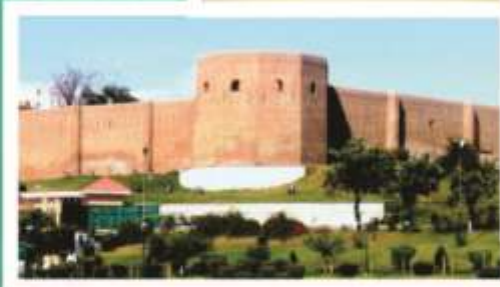




डोगरी कायदा
डोगरी भाषा प्रवेशिका
DOGRI PRIMER



CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पॉन्स कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टैबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला epathshala.nic.in के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।



प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें



क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें



स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें




लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें



उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें—<https://epathshala.nic.in/topics.php> पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

 दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। दीक्षा का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टैबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।



अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें



अपनी भूमिका चुनें—शिक्षक या विद्यार्थी



पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें



क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें



कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें



क्लिक करके क्यूआर कोड से संबंधित ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें—<https://diksha.gov.in/resources> पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।



“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

डोगरी कायदा
डोगरी भाषा प्रवेशिका
DOGRI PRIMER



भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

डोगरी कायदा

डोगरी भाषा प्रवेशिका

DOGRI PRIMER

A basal reader of Dogri alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors

Dinesh Prasad Saklani

Shailendra Mohan

Ramanujam Meganathan

ISBN: 978-81-970852-1-5

First Edition: December, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024

All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Saravanan A S

Cover Photo: Medhavi Sharma

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.



संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary



भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy



संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

प्राक्कथन

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम तो है ही, संस्कृति का एक उपादान भी है। भाषा समुदाय की पहचान होती है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित भी करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है- एक ओर भारत की भाषिक विविधता एवं समृद्धि को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारत के संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं से संबंधित हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि बच्चों में भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों- यह किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह सशक्त नींव न केवल भविष्य में विद्यालयी एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर) का लक्ष्य छोटे बच्चों या भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से परिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी।

शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

दिसंबर 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

भारत सदियों थमां इक बहुभाशी देश रेहा ऐ जित्थै केई भाशां/मातृभाशां बोलियां जंदियां ना। एह देश दी इक महत्वपूर्ण खासियत ऐ जे अस अपने रोजमर्रा दे ब्यहार च केई भाशाएं दा इस्तमाल करने आं जेहूडियां असेंगी इक साथे बन्नदियां न ते इकजुट रखदियां ना। राष्ट्री शिक्षा नीति (NEP) 2020 च इस गल्लै पर चेचा जोर दिता गेआ ऐ जे भारत दी बहुभाशी बनतर इक बड़ा बड़डा सरमाया ऐ जेहूदा देश दे समाजी, संस्कृतिक, माली ते शैक्षणिक बकास लेई बड़ी म्हारत कन्नै इस्तमाल करने दी लोड़ ऐ। एह शिक्षा च हर पड़ां पर बहुभाशावाद गी बढ़ावा देने दी सफारश करदी ऐ तां जे विद्यार्थियें गी अपनी भाशाएं च पढ़ने दे मौके हासल होई सकना। सभनें भारती भाशाएं च पढ़ने-पढ़ाने दी समगरी-सिरजना कन्नै बहुभाशी संपदा च बढ़ोतरी होग जेहूदे कन्नै विकसत भारत दे नरमान च बेहतर जोगदान दिता जाई सकदा ऐ। NEP 2020 दी सफारशें गी ध्यान च रखदे होई, मुंढली क्लासें दे कायदे तयार करने लेई इक व्यापक ते समावेशी नजरिये दी लोड़ ऐ जेहूडे भारत दे हर खेत्तर दी अनोखी भाशाई ते

संस्कृतिक खासयितें दे माफक होना इ'नें कायदें दा उद्देश मुंढली कलासै दे विद्यार्थियें गी पढने ते लिखने च म्हारत प्रदान करना ते उं'दी रचनात्मकता ते अलोचनात्मक सोच गी बढावा देना ऐ। एह् इक भाशा दे प्रतीकें ते ओह्दी वर्णमाला दे अक्खरें दी समझ, जानकारी ते उच्चारण दी कुंजी ऐ। एह् कायदे बच्चें गी इ'नें अक्खरें दे इक जां इक थमां मते समुच्चयें दे अर्थ कन्नै बी जानकार करोआंदे न जेह्डे उं'दे मेल जियां, शब्द च उ'नें अक्खरें दी मुंढली, मझाटली जां अखीरी स्थिति कन्नै बनदे ना एह्दे अलावा, एह् बाद च दित्ते गे अक्खरें दे लिखने दे भ्यास गी सौक्खा बनाने लेई उदाहरण पेश करदे न ते एह् बालगीत/छंद/तुकबंदी बच्चें दी भाशा ते उं'दे संज्ञानात्मक हुनरें दे बकास च बी मददगार सिद्ध होगा।

दिसंबर 2024

मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन

निदेशक

भारती भाशा संस्थान मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Dogri Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi

Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru

Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra Prasad Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET),
NCERT, New Delhi

Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi

Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Coordinators

Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Editorial Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Mohan Singh Salathia, Convenor Dogri, Sahitya Akademi, New Delhi

Sunil Kumar Choudhary, Senior Resource Person, National Translation Mission (NTM) CIIL, Mysuru

Usha Rani, Assistant Professor, Govt. Degree College Paloura, Jammu

Hindi Reviewer

Satyaendra Kumar Awasthi, Senior Resource Person II, Linguistic Data Consortium for Indian
Languages, CIIL, Mysuru

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), NTM, CIIL, Mysuru

Jewsnrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, North Eastern Regional Language
Centre, (CIIL), Guwahati

Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages
(SPPEL), CIIL, Mysuru

Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru

Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

डोगरी कायदा कि'यां पढ़ाना ऐ

डोगरी भारत दे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल ते उत्तरी पंजाब दे कन्नै बन्ने पार पाकिस्तान दे शक्करगढ़ अलाके च बोली जाने आहली इक प्रमुख भाशा ऐ। एह भारोपीय भाशा परिवार दे भारती-आर्य भाशा समूह दी भाशा ऐ। 2011 दे जनगणना आंकड़ें मताबक एह्दे बोलने आहलें दी गिनती 25,96,767 ऐ। डोगरी बोलने आहलें गी 'डोगरा' आखेआ जंदा ऐ ते डोगरी भाशाई खेत्तर गी आमतौर पर 'डुगर' आखेआ जंदा ऐ। डोगरी भाशा दा सभने शा पराना जिकर चौहदमी सदी दे शुरू च अर्थात् 1317 ई. दी अमीर खुसरो दी मशहूर मसनवी च थहोंदा ऐ। एह्दी अपनी लिपि ऐ, जिसी डोगरा अक्खर जां डोगरे आखेआ जंदा ऐ। इस लिपि च लिखी गई डोगरी, महाराजा रणवीर सिंह (1857-1885) दी हकूमत च जम्मू-कश्मीर दी राजभाशा ही। बीहमी सदी दे शुरू च पूरे देसै च चलै करदे अजादी दी लैहर ने मकामी लेखकें गी अपनी भाशा च साहित्य सिरजना आहली भेठा प्रेरत कीता ते इस दौर दे साहित्य सिरजना दी इक चेची गल्ल एह रेही जे इ'न्नै डोगरी लिपि दे थाहर पर राश्ट्री एकीकरण दे नजरिए कन्नै देवनागरी लिपि गी अपनाया। इसलेई अज्ज लगभग सबूरा डोगरी साहित्य देवनागरी लिपि च गै लिखेआ जा करदा ऐ।

राश्ट्री शिक्षा नीति 2020 ते बुनियादी स्तर दे राश्ट्री पाठ्यक्रम दी रूपरेखा 2022 दे अंतर्गत त्रै शा लेइयै अट्ट बरें दे ज्यानें गी मातृभाशा/घरै दी भाशा/मकामी भाशा/आंचलिक भाशा च शिक्षा देने दी बवस्था कीती गई ऐ। भारत दे ग्राई अलाके च ज्याने कलासै च शिक्षा देने आहले तरीके गी स्हेई ढंगे कन्नै नेई समझी पांदे ना एह गल्ल स्कूल च शिक्षा देने दी बवस्था गी प्रभावत करदी ऐ। इसलेई केंदर सरकार ने त्रै शा अट्ट बरें तगर दे ज्यानें गी बाल-वाटिका ते पैहली ते दूई जमात दे ज्यानें गी प्री-प्राइमरी स्तर पर बुनियादी साक्षरता देने दी बवस्था कीती ऐ। एह्दे च मकामी गीतें ते कहानियें राहें ज्यानें दी मौखिक भाशा दे बकास पर चेचा ध्यान दित्ता गेआ ऐ। एह कम्म कताबें दी कहानियें, चित्तरें ते गल्लबात राहें कीता जा करदा ऐ। एह्दे कन्नै गै ज्यानें दे ध्वनि-परिचे, वर्ण-परिचे, पढ़ने ते लेखन भ्यास लेई बी भाशा-शिक्षण कताब दा इस्तमाल कीता जा करदा ऐ।

आंगनबाड़ी शा लेइयै त्री जमात तगर दे ज्यानें गी मातृभाशा च पढ़ाने कन्नै उं'दे बौद्धिक बकास दे कन्नै-कन्नै उं'दी सिरजना करने ते सोचने दी थबीक दा बी बकास होई सकदा ऐ। बच्चे अपनी मातृभाशा च पढ़ना-लिखना सिक्खने दे कन्नै-कन्नै हिन्दी भाशा च कि'यां पढ़ी-लिखी सकदे न, एह्दा सार्थक तरीका बुनियादी स्तर दे राश्ट्री पाठ्यक्रम दी रूपरेखा 2022 च तफसीली रूप कन्नै बुहास्सरेआ गेआ ऐ। ज्याने पैहलें पढ़ना-लिखना सिखदे ना इसलेई डोगरी भाशा दी वर्णमाला कीता च ज्यानें दी मातृभाशा ते स्कूल दी हिन्दी भाशा दी सारी ध्वनियें, अक्खरें ते मात्राएं गी शामिल कीता गेआ ऐ। एह्दे च दित्ते गे शब्द ज्यानें दी संस्कृति ते म्हौल थमां लैते गे ना।

बहुभाशी शिक्षा दा मूल उद्देश ऐ ज्यानें दी घरै दी भाशा थमां पढ़ाना-लिखना शुरू करियै राज्य दी भाशा च पढ़ने-लिखने दी उं'दी म्हारत गी बधाना। डोगरी भाशा च पेश एह कायदा जम्मू-कश्मीर दे शिक्षकें ते विद्यार्थियें लेई तयार कीता गेआ ऐ। बुनियादी साक्षरता दियां प्रमुख चार गै ना। पैहली गै च कहानी, कहानी ते चित्तरें राहें ज्यानें दा बौद्धिक बकास कीता जंदा ऐ। ओह्दे बाद भाशा-शिक्षण लेई ज्यानें गी वस्तु दे कन्नै-कन्नै शब्दें दे सरबंध कन्नै जानकार बनाया जंदा ऐ। शब्दें च बवस्थत अक्खरें दा परिचे कराया जंदा ऐ। इस जतन च ज्याने बक्ख-बक्ख अक्खरें गी पंछानना सिखदे ना एह्दे राहें ज्याने ध्वनि ते वर्ण मझाटले सरबंध गी पंछानने ना। इस कायदे गी कि'यां पढ़ाना ऐ, एह्दे मूल नुक्तें गी हेठ तफसील कन्नै दस्सेआ गेआ ऐ।

ध्वनि-परिचे: बच्चे चित्तर दिक्खियै चीज दा नांऽ बोलडना शिक्षक पुच्छडन जे चित्तर दा नांऽ केह्डी ध्वनि कन्नै शुरू होंदा ऐ? जियां, 'आह्लडा' दा चित्तर दिक्खियै ज्याने एह पंछानडन जे एह 'आ' ध्वनि कन्नै शुरू होंदा ऐ।

वर्ण-परिचे: शिक्षक बच्चें गी एह दसडन जे 'आ' दिक्खने च कनेहा नजरी औंदा ऐ। फही दित्ते गे किश शब्दें चा 'आ' अक्खर गी पंछानने लेई आखडना। त्र'ऊं-च'ऊ शब्दें चा ज्याने 'आ' अक्खर दी ध्वनि दा उच्चारण करडन ते 'आ' अक्खर गी लिखने दा भ्यास करडना। **पढ़ना:** ज्याने चित्तर दिक्खियै अपनी भाशा च शब्द दा उच्चारण करडना। उस शब्द दे उप्पर औंगल चलाइयै ज्याने 'आह्लडा' पढ़डना। होर शब्दें गी पढ़ियै उ'नें शब्दें च ज्याने 'आ' गी पंछानडन ते उच्चारण करडना। शब्द दे शुरू च, मझाटै ते अखीर च 'आ' कुत्थै ऐ, शिक्षक ज्यानें गी एह दसडना।

ब्लैकबोर्ड पर 'आ' लिखने बेल्लै शिक्षक 'आह्लडा' शब्द दे कन्नै-कन्नै त्रै-चार शब्द होर बी लिखडन ते ज्यानें गी उस शब्द गी पढ़ने ते अक्खर गी पंछानने लेई आखडना। कीजे एह सारे शब्द ज्यानें दे अपने म्हौल थमां लैते गे न इसलेई ज्याने फोटो दिक्खियै इनें शब्दें गी बड़ी असानी कन्नै पंछानी पाडन ते अपनी भाशा च उं'दा उच्चारण करी पाडना। शिक्षक इक शब्द गी लिखियै ओह्दे हर इक अक्खर गी बक्ख-बक्ख करियै पढ़ने लेई ज्यानें गी आखडन ते ओह्दे बाद अक्खरें गी जोड़ियै शब्द गी पढ़ने लेई आखडना। एह्दे कन्नै ज्यानें दी अक्खरें कन्नै जानकार, शब्दें कन्नै जानकार ते ध्वनि कन्नै बी जानकार होई सकदे ना। इक ज्याने आसेआ शब्द गी पढ़ने बेल्लै बाकी बच्चे ओह्दे कन्नै मिलियै शब्द दा उच्चारण करडना। इसी आखेआ जंदा ऐ।

‘कठ्ठे पढ़ना’

लेखन: शिक्षक पैह्लें ज्यानें गी ‘आहलड़ा’ शब्द दा ‘आ’ लिखना सख्राडना। खब्बे थमां सज्जी बक्खी लिखने लेई पैसल कि’यां चलाई जंदी ऐ, शिक्षक एह करिये दसडना इसी आखेआ जंदा ऐ ‘मदादी लेखन’। एह्दे बाद ज्याने कताब च दित्ती गई खाल्ली थाहर च दिक्खिये ‘आ’ लिखडना ज्याने दे लिखने-पढ़ने बेल्लै शिक्षक उं’दी मदाद करडना।

ज्यानें दी मौखिक भाशा दे बकास लेई हर इंद्रराज च इक-दो वाक्य दे लौहके-लौहके गीत दित्ते गेदे ना। शिक्षक उस गीत गी गाइयै ते पढ़िये ज्यानें कन्नै ओह्दे पर चर्चा करडन ते स्कूल दी लाइब्रेरी च मजूद ज्यानें दी कहानिये दी कताबें थमां कहानियां पढ़िये ज्यानें कन्नै ओह्दे पर चर्चा करडना। शिक्षक पैह्ली ते दूई जमात दे ज्यानें गी उं’दी मातृभाशा च कहानी ते गीत बी सनाडना। कायदे च जिन्ने बी शब्द दित्ते गे न ओह् साक्षरता दा नमूना मात्र ना। ज्यानें केई शब्द जानदे ना। इक अक्खर आह्ला शब्द पुच्छने कन्नै ज्याने केई शब्द सनाई सकदे ना। शिक्षक पुच्छी सकदे न जे ‘आ’ कन्नै शुरू होने आहले किश शब्द सनाना।

हेठ दित्ती गई लकीरें गी ध्यान कन्नै दिक्खो ते दित्ती गई थाह्र पर पैसल फेरो।

खडुत्त लकीर

:



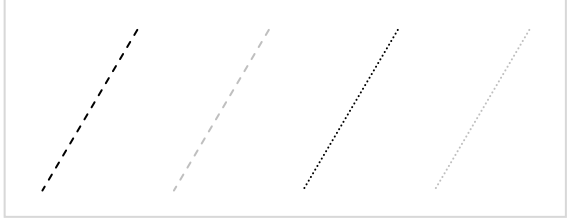
आढी लकीर

:



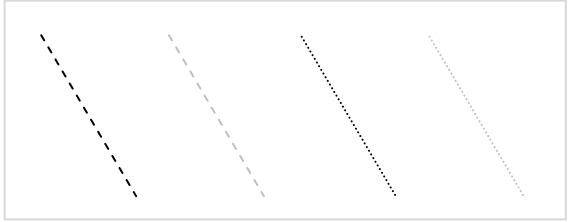
त्रेढी लकीर 1

:

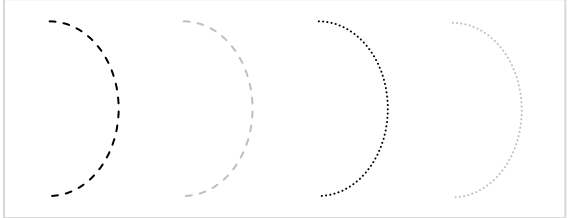


त्रेढी लकीर 2

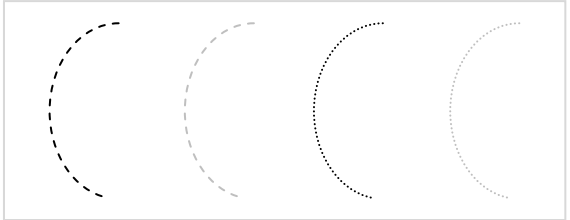
:



अद्ध-गोलाकार लकीर 1 :



अद्ध-गोलाकार लकीर 2 :



ध्यान देओ : शिक्षक सखाडन पैसल कि'यां फड़नी ऐ ते दित्ते गे थाह्र च अक्खरें पर कि'यां फेरनी ऐ।

डोगरी स्वर

स्वर

अ आ इ ई उ ऊ

ऋ ए ऐ ओ औ

अनुस्वर : अं

अध्यापकें लेई निर्देश : डोगरी च 'ऋ' स्वर दा मूल उच्चारण नेई होंदा ऐ। एह 'रि' व्यंजन च बदलोई जंदा ऐ ते लिखने च एह्दा इस्तमाल सिर्फ हिंदी जां संस्कृत तत्सम शब्दें च गै होंदा ऐ।

डोगरी व्यंजन

मूल व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
	ष	स	ह	

जोड़मे व्यंजन : क्ष त्र ज्ञ श्र

बाद्ध व्यंजन : ङ ढ

शिक्षकें लेई निर्देश : डोगरी दे घ, झ, ढ, ते भ व्यंजन लिखने तगर गै सीमत न ते इं'दा उच्चारण इं'नें रूपे च होंदा ऐ :

- जेकर एह् अक्खर शब्द दे शुरू च औदे न तां इं'दा उच्चारण क, च, ट, त, प दे रूप च होंदा ऐ।
- जेकर एह् अक्खर मझाटै औदे न तां इं'दा उच्चारण ग, ज, ड, द, ब दे रूप च होंदा ऐ ते पही एह् अपने अगले स्वर गी नींदे ब चढ़दे सुर कन्नै प्रभावत करदे न जां अपने पिछले स्वर गी उच्चे ब ढलदे सुर कन्नै प्रभावत करदे ना।
- जेकर एह् अक्खर शब्द दे अखीर च औदे तां इं'दा उच्चारण ग, ज, ड, द, ब दे रूप च ते अपने थमां पैह्ले स्वर गी उच्चे ब ढलदे सुर कन्नै प्रभावत करदे ना।
- डोगरी च 'ष' दा उच्चारण नेई होंदा ऐ ते एह् 'श' जां 'ख' दा रूप लेई लैंदा ऐ। लिखने च एह्दा इस्तमाल सिर्फ हिंदी जां संस्कृत तत्सम शब्दें च गै होंदा ऐ।
- डोगरी च 'य' ते 'व' दा उच्चारण 'ज' ते 'ब' होई जंदा ऐ ते लिखने च इं'दा इस्तमाल सिर्फ हिंदी जां संस्कृत तत्सम शब्दें च गै होंदा ऐ।
- इं'यां गै 'क्ष' ते 'ज्ञ' ते उच्चारण 'ख' ते 'ग' च बदलोई जंदा ऐ ते लिखने च इं'दा इस्तमाल सिर्फ हिंदी जां संस्कृत तत्सम शब्दें च गै होंदा ऐ।

अ

अंब

आम

अ कन्नै अंब ते अंब बडे मिठे।
आओ-आओ चूपचै सारे बेहियै किठे।



अल्ल

लौकी



अनार

अनार



अंडा

अंडा

अ

अ

अ

आ

आह्लड़ा

घोसला

आ कन्नै आह्लड़ा पक्खरू बनांदे।
रली-मिली रौंहदे ते मिठ्ठे गीत गांदे।



आलू

आलू



सुआह्

राख



गंडोआ

केंचुआ

आ

आ

आ

इ

इ

इं

इ कन्नै इह ते इहें कन्नै घरा
रौंदा ऐ जित्थें सारा टब्बरा॥



इडली

इडली



इल्ल

चील



इंबली

इमली

इ

इ

इ

ई

ईमेल

ईमेल

ई कन्नै ईमेल करांदी ऐ मेला
चिर नेइयों लांदी, करदी सबेला।



ईल

ईल



तरपाई

तिपाई/स्टूल



मरगाई

जलमुर्गी

ई

ई

ई

उ

उल्लू

उल्लू

उ कन्नै उल्लू ते उ कन्नै उन्ना।
उच्चा ते उखल दिक्खे दा कु'ना।



उन्न

ऊन



उखल

ओखली



उच्चा

चिमटा

उ

उ

उ

ऊ

ऊट

ऊँट

ऊ कन्नै ऊट जेह्दी पिढी पर प्हाड़ी।
लम्मियां न लत्तां ते लम्मीं गै क्याड़ी।



ऊटना

ऊँट का बच्चा



पिऊंद

कलम बाँधना



स्येऊ

सेब

ऊ

ऊ

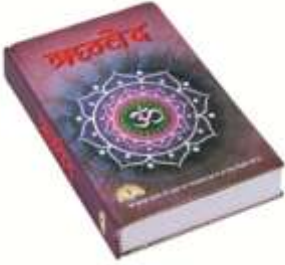
ऊ

ऋ

ऋषि

ऋषि

ऋ कन्नै ऋषि जेह्ड़े करदे तपस्सेआ।
भाएं होऐ कास्ती ते भाएं होऐ मस्सेआ॥



ऋग्वेद

पृथ्वी

कृष्ण

ऋग्वेद

पृथ्वी

कृष्ण

ऋ

ऋ

ऋ

ए

एरा

कटैल

ए कन्नै एरा ते एरे दे बिन्ने।
माऊ ने बनाए दे दिक्खो हां किन्ने।



एलबम

एल्बम



एंबुलेंस

रोगी-वाहन



एका

एकता

ए

ए

ए

ऐ

ऐहन

ओला

ऐ कन्नै ऐहन ते दादी दी ऐनका
लाई लैदा दादा ते बनी जंदा सैनका।



ऐनक

ऐनक



ऐगड़

झुंड



ऐंची-टेप

इंची टेप

ऐ

ऐ

ऐ

ओ

ओढनू

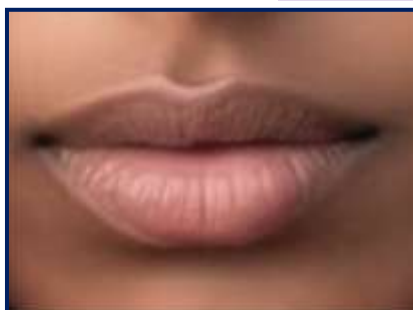
ओढ़नी

ओ कन्नै ओढनू रंगदा ऐ ललारी।
रंग एहदा लाल ते सोहनी ऐ कनारी॥



ओसला

चारपाई का सिरहाना



ओठ

ओंठ



ओठल

धान के पौधे

ओ

ओ

ओ

औ

औंगल

उँगली

औ कन्नै औंगल ते औ कन्नै औरता
औरत ऐ मां ते ममता दी मूरता।



औंकर

अंकुर



औरत

महिला



औंकड़ी

छोटा कच्चा आम

औ

औ

औ

अं

अंगूर

अंगूर

अं कन्नै अंगूर, अंगूठा ते अंगूठी।
गल्ल कोई कदें गलानी नेईं झूठी।



अंगूठा

अँगूठा



अंगारी

अंगार



अंतरिक्ष

अंतरिक्ष

अं

अं

अं

क

कबूतर

कबूतर

क कन्नै कबूतर, कलमुहें, कताबा
कताबै च सुआल ते सुआलें दे जवाबा।



कताब

किताब



चकंदर

चुकंदर



सड़क

सड़क

क

क

क

ख

खट्ट

चारपाई

ख कन्नै खट्ट, खचोपड़, खबारा
खट्ट गै चुकदी ऐ सभनें दा भारा।



खचोपड़

कछुआ



अखबार

समाचार पत्र



नाख

नाशपाती

ख

ख

ख

ग

गंढा

प्याज

ग कन्नै गंढा, गन्ना, गटारी।
गटारी ऐ मैना लगदी ऐ प्यारी।।



गटारी

मैना



गोंगलू

शलजम



पग्ग

पगड़ी

ग

ग

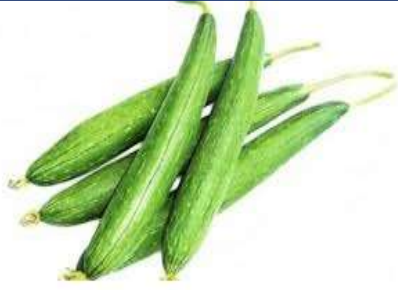
ग

घ

घड़ी

घड़ी

घ कन्नै घड़ी, घंडोली ते घरा
घरा च कुसै गी कैह्दा ऐ डरा।



घंडोली

तोरई



पंघूड़ा

पालना



बाघ

बाघ

घ

घ

घ

ड

डूठा

अँगूठा

ड कन्नै डूठा, डूठा निं दस्सना।
डूठे गी दस्सियै कदें निं हरस्सना।।



डीठी

अंगीठी



सडोड़ी

सींग वाली बकरी



छाडा

छह उँगली

ड

ड

ड

च

चन्न

चाँद

च कन्नै चन्न ते च कन्नै चरखा।
चुक्की लैओ चरखा आई गेई बरखा।।



चरखा

चरखा



कचालू

कचालू / बंडा



मरच

मिर्च

च

च

च

छ

छतरी

छाता

छ कन्नै छतरी, छ कन्नै छज्जा
ऐह्में निं पाना झूठै दा पज्जा



छज्ज

सूपा



मच्छर

मच्छर



कड़छ

चमचा

छ

छ

छ

ज

जंगल

वन

ज कन्नै जंगल ते ज कन्नै जंदरा।
कुंजियां लेआओ दादी आई गई मंदरा।।



जंदरा

ताला



गाजर

गाजर



सूरज

सूरज

ज

ज

ज

झ

झंडा

झंडा

झ कन्नै झंडा ते झंडा ऐ तरंगा।
सभनें शा शैल ते सभनें शा चंगा।।



झुमके

झुमका



पिंझना

रुई धुनाई



चुंझ

चोंच

झ

झ

झ

अ

ज्याना

बच्चा

अ कन्नै ज्याना, अ कन्नै आरां।
आरें दे मगरा औदै न बारां।।



11

5



आरां

पंजाग

सं'अ

ग्यारह

पाँच

शाम

अ

अ

अ

ट

टांगा

ताँगा

ट कन्नै टांगा, टमाटर ते टाटा
टाटै पर बौहने दी अपनी ऐ ठाठा।



टमाटर

टमाटर



गटारी

मैना



टाट

टाट

ट

ट

ट

ठ

ठेआन्नी

अठन्नी

ठ कन्नै ठेआन्नी ते ठ कन्नै ठीकरी।
ठेइये-ठेआन्नी दी होई गई मित्तरी॥



ठीकरी

मटके का टुकड़ा



मठेआई

मिठाई



लगाठ

लोकाट फल

ठ

ठ

ठ

ड

डिड्डू

मेंढक

ड कन्नै डिड्डू ते ड कन्नै डमरू।
डमरू बजांदा फिरै सारा दिन अमरू।



डमरू

डमरू



गडीरना

लकड़ी का वॉकर



त्रिड्डा

टिड्डा

ड

ड

ड

ढ

ढोलकी

ढोलक

ढ कन्नै ढोलकी ते ढ कन्नै ढक्कन।
ढक्कन गुहाड़ी गिल्लू खाई गेआ
मक्खना।



ढक्कन

ढक्कन



गंढरी

पोटली



गंढ

गाँठ

ढ

ढ

ढ

ण

वीणा

वीणा

णा कन्नै पैह्लें लग्गै वी बनै वीणा।
वीणा गी गै आखदे न सरस्वती वीणा॥



किरण

किरण



कणी

वर्षा की बूँद



हिरण

हिरण

ण

ण

ण

त

तारा

तारा

त कन्नै तारा बनै, त कन्नै तितली।

त कन्नै तार बनै, होंदी बड़ी पतली।।



तितली

तितली



संतरा

संतरा



भत्त

चावल

त

त

त

थ

थाली

थाली

थ कन्नै थाली बनै, थाली बिच्च रुट्टी।
सब्जी च थोम पाया माऊ कुट्टी-कुट्टी॥



थोम

लहसुन



पत्थर

पत्थर



नत्थ

नथनी

थ

थ

थ

द

दरजी

दर्जी

द कन्नै दरजी ते द कन्नै दरोआजा।
दरोआजा खो'ल्लो जेल्लै बजदा ऐ
बाजा।।



दरोआजा

दरवाजा



बांदर

बंदर



दंद

दाँत

द

द

द

ध

धोबी

धोबी

ध कन्नै धोबी, ध कन्नै धाना।
धन्न भगवान, धन्न-धन्न करसाना।



धनिया

धनिया



मधानी

मथानी



कंध

दीवार

ध

ध

ध

न

नैहर

नहर

न कन्नै नक्क बनै, न कन्नै नैहर।
निकलै चनांह् बिच्चा बगै जम्मू शैहर।



नक्क

नाक



छाननी

चलनी



दूरबीन

दूरबीन

न

न

न

प

पक्खा

पंखा

प कन्नै पक्खा ते प गै पंघूड़ा।
प कन्नै पकोआन बनै, प कन्नै पूड़ा।।



पंघूड़ा

पालना



सपेरा

सपेरा



कप्प

कप

प

प

प

फ

फुल्ल

फूल

फ कन्नै फुल्ल, फ कन्नै फलूस ऐ।
खंड मिट्टे फालसें दी अपनी गै फूस ऐ॥



फलूस

गुब्बारा



मफलर

मफलर



धूफ

धूपबत्ती

फ

फ

फ

ब

बककरी

बकरी

ब कन्नै बककरी ते ब कन्नै बच्छा।
कम्म उ'यै करना जो होऐ चंगा अच्छा।।



बच्छा

बछड़ा



आलूबखारा

आलूबुखारा



किंब

चकोतरा नींबू

ब

ब

ब

भ

भगेआड़

भेड़िया

भ कन्नै भगेआड़, जेहड़ा जंगली जनौर ऐ।
भहे दी बी दिक्खो तुस अपनी गै टौहर ऐ।



भट्टा

बैंगन



त्रंभड़

छड़ी



कुंभ

कलश

भ

भ

भ

म

मोर

मोर

म कन्नै मोर, जेहड़ा होंदा बड़ा प्यारा ऐ।
मोर साढ़े भारत दी अक्खियें दा तारा ऐ॥



मक्खी

मक्खी



लमारी

अलमारी



कड़म

गांठ गोभी

म

म

म

य

याक

याक

य कन्नै याक बनै, य कन्नै योग।
योग करो रोज ते लागै फड़कै निं रोग।।



योग

योग



घ्यूर

घ्यूर



दीया

दिया

य

य

य

र

रक्खड़ी

राखी

र कन्नै रक्खड़ी, एह् धागें दा त्यहार ऐ।
भैनु ते भ्राऊ दा एह् अमर प्यार ऐ॥



राजमाह्

राजमा



मरूद

अमरूद



तीर

तीर

र

र

र

ल

लीची

लीची

ल कन्नै लीची, जेह्डी बड़ी मिठ्ठी होंदी ऐ।
जाओ जे बजार तां लफाफे च थहोंदी ऐ।



लफाफा

लिफाफा



गलास

गिलास



फुल्ल

फूल

ल

ल

ल

व

वीणा

वीणा

व कन्नै वीणा, जिसी शारदा बजांदी ऐ।
बंडदी ऐ ज्ञान, हिरख भावना सखांदी ऐ॥



वोट

मतदान

क ख ग घ
च छ ज झ
ट ठ ड ढ
त थ द ध

लखावट

लिखावट



तवा

तवा

व

व

व

श

शेर

शेर

श कन्नै शेर, ते श कन्नै गै शीशा होंदा ऐ।
शीशा दिक्खी-दिक्खी माह्नू बड़ा गै
पसोंदा ऐ।



शीशा

दर्पण



पशकारी

पिचकारी



ताश

ताश

श

श

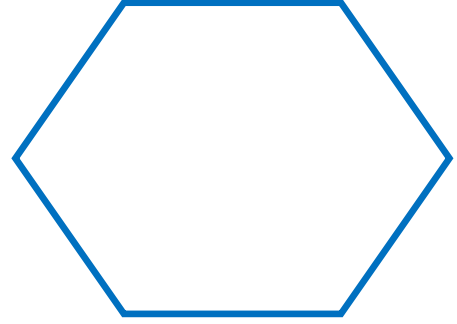
श

ष

षटकोण

षट्कोण

ष कन्नै षटकोण, छें सिरें आह्ला होंदा ऐ।
ऐसी गै खडाली इक हट्टिया दा थहोंदी ऐ॥



वृषभ

वृषभ

ष

ष

ष

ष

ष

स

सप्प

साँप

स कन्नै सप्प, कन्नै साँगल ते सैकल ऐ।
संतरा, स्येऊ कन्नै बक्सूआ, बिसकल
ऐ।



सैकल

साइकिल



बक्सूआ

साड़ी पिन



अन्नानास

अनानास

स

स

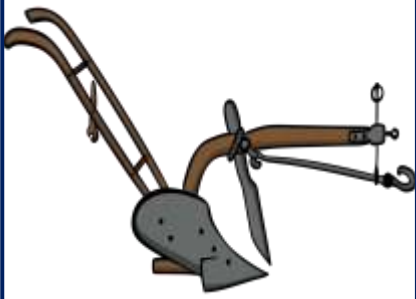
स

ह

हाथी

हाथी

ह कन्नै हाथी, हल्ल हौसला ते हिम्मत ऐ।
हिम्मत जे होऐ बनी जंदी किसमत ऐ।



हल्ल

हल



बूह्टा

पेड़



मैंह्

भैंस

ह

ह

ह

क्ष

क्षत्रिय

क्षत्रिय

क्ष कन्नै क्षत्रिय, सूरमें जे होंदे ना
बहादरी दे कारनामे करदे पसोंदे ना।



क्षितिज

क्षितिज



शिक्षका

शिक्षिका



शिक्षा

शिक्षा

क्ष

क्ष

क्ष

त्र

त्रककड़ी

तराजू

त्र कन्नै त्रककड़ी, त्रांगड़ी ते त्रशूला
घट्ट कदें नेईं तोलना, छोड़ने नेईं असूला।



त्रशूल

त्रिशूल



इत्र

इत्र



चित्र

चित्र

त्र

त्र

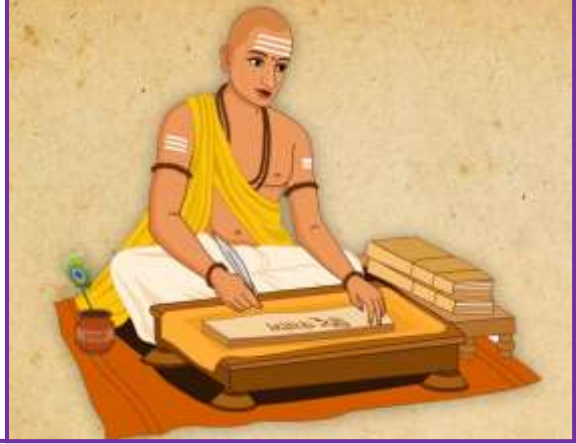
त्र

ज्ञ

ज्ञानी

ज्ञानी

ज्ञ कन्नै ज्ञानी, जेह्ड़े जगत सधारदे।
आपूं गै निं तरदे दुनिया बी तारदे।



ज्ञान



विज्ञानक



यज्ञ

ज्ञान

वैज्ञानिक

यज्ञ

ज्ञ

ज्ञ

ज्ञ

श्र

श्रद्धालू

श्रद्धालु

श्र कन्नै श्रद्धालू, श्रद्धा मनै च पालदे।
न्हेरे गी मकाने गित्तै जोतियां न बालदे।



श्रीखंड

श्रीखंड



आश्रम

आश्रम



श्रोता

श्रोता

श्र

श्र

श्र

ड़

घोड़ा

घोड़ा

ड़ा दे पैहलें घो लगै ते बनदा ऐ घोड़ा।
दोड़दे बेल्लै एह् निं दिक्खै थल्लै बज्जरी
जां रोड़ा॥



गड़बी

लोटा



कुड़ी

लड़की



त्रक्कड़ी

तराजू

ड़

ड़

ड़

ढ़

सिढ़

सीढ़ी

ढ़ दे पैहलें सि लग्गै ते बनदी ऐ सिढ़।
कोठे उप्पर चढ़दे-उतरदे डंडे एह्दे गिना।



पढ़ना

पढ़ना



कढ़ी-पत्ता

करी पत्ता













रेढ़ी











घोड़ा-गाड़ी





ढ़

ढ़

ढ़

स्वर	मात्रा चिह्न	उदाहरण	उदाहरण
अ	◌	बस	कमल
			
आ	◌ा	जंढरा	केला
			
इ	◌ि	चिड़ी	बिल्ली
			
ई	◌ी	लीची	बालटी
			
उ	◌ु	कुत्ता	फुल्ल
			

स्वर	मात्रा चिह्न	उदाहरण	उदाहरण
ऊ	ू	बूढ़ा	कबूतर
			
ऋ	ृ	कृष्ण	पृथ्वी
			
ए	े	शेर	रेल
			
ऐ	ै	गैंडा	पैर
			
ओ	ो	घोड़ा	टोकरी
			

स्वर	मात्रा चि'न्न	उदाहरण	उदाहरण
औ	ौ	गौ	पौड़ी
			
अं	ं	संतरा	कंगन
			

आओ गिनचै

1	इक	
2	दो	
3	त्रै	
4	चार	
5	पंज	
6	छे	
7	सत्त	
8	अठ्ठ	
9	नौ	
10	दस	

11	आरां	
12	बारां	
13	तेरां	
14	चौदां	
15	पंदरां	
16	सोलां	
17	सतरां	
18	ठारां	
19	उन्नी	
20	बीह्	

आओ हेठ दिती गेई गिनती लिखचै

1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

हिंदी वर्णमाला

स्वर

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं

व्यंजन

क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व श
ष स ह
क्ष त्र क्ष
श्र ड ढ

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.


Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala .



For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to <https://epathshala.nic.in/topics.php> and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download DIKSHA app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using DIKSHA 



For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to <https://diksha.gov.in/resources> and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
1	ANAL	12	HALABI (HALBI)	23	KONDA	34	MANIPURI	45	SANTALI (WEST BENGAL)
2	ANGAMI	13	HMAR	24	KORKU	35	MAO	46	SAVARA (SORA)
3	AO	14	JATAPU (KUVI)	25	KOYA	36	MISHMI	47	SHERPA
4	ASSAMESE	15	JUANG	26	KUI	37	MISING	48	SÜMI (SEMA)
5	BHUTIA	16	KABUI (RONGMEI)	27	KUKI	38	MIZO	49	TAMANG
6	BODO	17	KARBI	28	KURUKH/ORAO	39	MOGH	50	TANGKHUL
7	DEORI	18	KHANDESHI	29	KUWI	40	MUNDARI	51	TANGSA
8	DESIA	19	KHARIA	30	KUZHALE (KHEZHA)	41	NEPALI	52	TIWA (LALUNG)
9	DIMASA	20	KINNAURI	31	LIANGMAI	42	NYISHI (NISSI)	53	TULU
10	GADABA (GUTOB)	21	KISAN (KUNHU)	32	LIMBU	43	RAI	54	WANCHO
11	GARO	22	KODAVA (COORGI/KODAGU)	33	LOTHA	44	SANTALI (ODISHA)		

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
55	ADI	60	HO	65	KOM	70	MARAM	75	RENGMA
56	BHUMIJ	61	KHIAMNIUNGAN	66	KONYAK	71	NOCTE	76	SHINA
57	CHANG	62	KOCH	67	LADAKHI	72	PASHTO	77	TAMIL
58	GONDI	63	KODA (KORA)	68	LEPCHA	73	POCHURY	78	TIBETAN
59	HALAM	64	KOLAMI	69	MARA (LAKHER)	74	RABHA	79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-III (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
80	BENGALI	85	GUJARATI	90	KORWA	95	MARATHI	100	ODIA
81	BHILI	86	KANDHA (KONDH)	91	LAHAULI	96	MARING	101	PARJI (DURUA)
82	BISHNUPRIYA MANIPURI	87	KANNADA	92	MAITHILI	97	MONPA	102	PHOM
83	CAR NICOBARESE (PÜ)	88	KHASI	93	MALAYALAM	98	MUNDA	103	PUNJABI
84	DOGRI	89	KONKANI	94	MALTO	99	NANCONWRY (MOÜT)	104	TELGU

PRIMER DEVELOPMENT IN PROGRESS (18)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
105	BALTI	109	HINDI	113	PAITE	117	SINDHI	121	ZEME (ZEMI)
106	CHOKRI	110	KASHMIRI	114	SANGTAM	118	THADOU-KUKI	122	ZOU
107	GANGTE	111	KOKBOROK (TRIPURI)	115	SANSKRIT	119	URDU		
108	GONDI-TELGU	112	LAI (PAWI)	116	SANTALI (JHARKHAND)	120	VAIPHEI		



भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangothri, Mysuru - 570 006

☎ 0821 2515820 (Director) / ✉ ada-ciilmys@gov.in



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016

☎ 011 2696 2590 / ✉ dceta.ncert@nic.in